

ਯੀਸ਼ੁ ਮਸੀ ਰੀ ਸੇਵਕਾਫ਼ ਰੀ ਸ਼ੁਰੂਵਾਤ



यीशु मसी री सेवकाइ री शुरुवात

Bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



[Needs Copyright](#)



<http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/>

You are free to make commercial use of this work. You may adapt and add to this work.

You must keep the copyright and credits for authors, illustrators, etc.

Big Book in Bangani language

Orange Level Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यीशु मसीह की सेवकाई का आरम्भ के बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



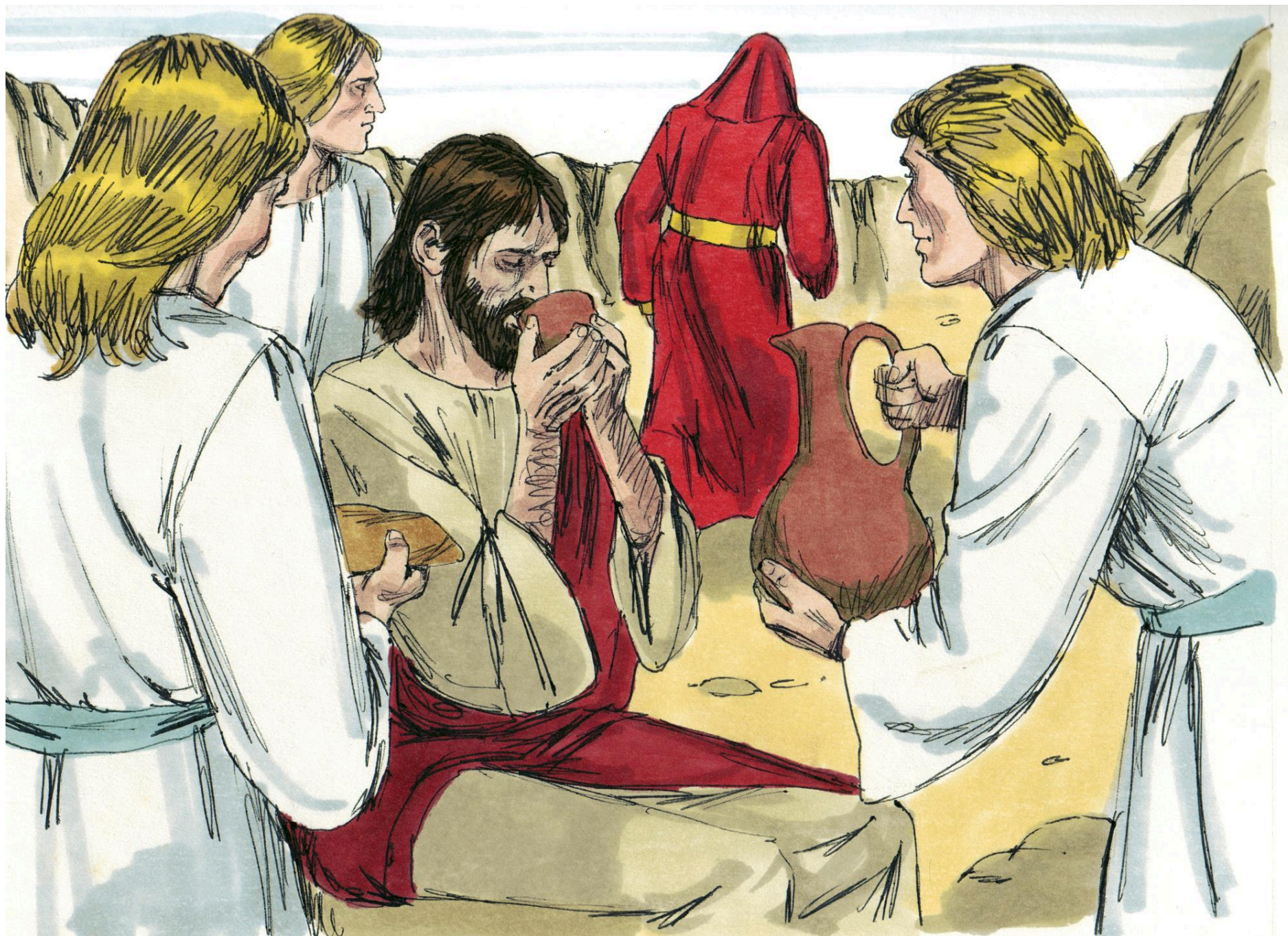
जौ यीशु 30 साल रौ उवौ, सेजै दुसु दी यऊना
यरदन नौइ रै किनारे दी लोगु रौ बपतिस्मा दै थौ,
औजि एशौ पौरचार कौरै थौ, “जीऊ फिराअ,
केलाकि स्वर्ग रौ राज नौजिक आई गोअ।” जौ
लोगु यऊना कौइ पुछौ, कि का तू मसी? तैबै तिणी
बोलौ कि आऊं मसी ना नौथि “आऊं तै तेसरै
जुताऊं रै तौसमा खोलणै लाईक बी ना नौथि।”



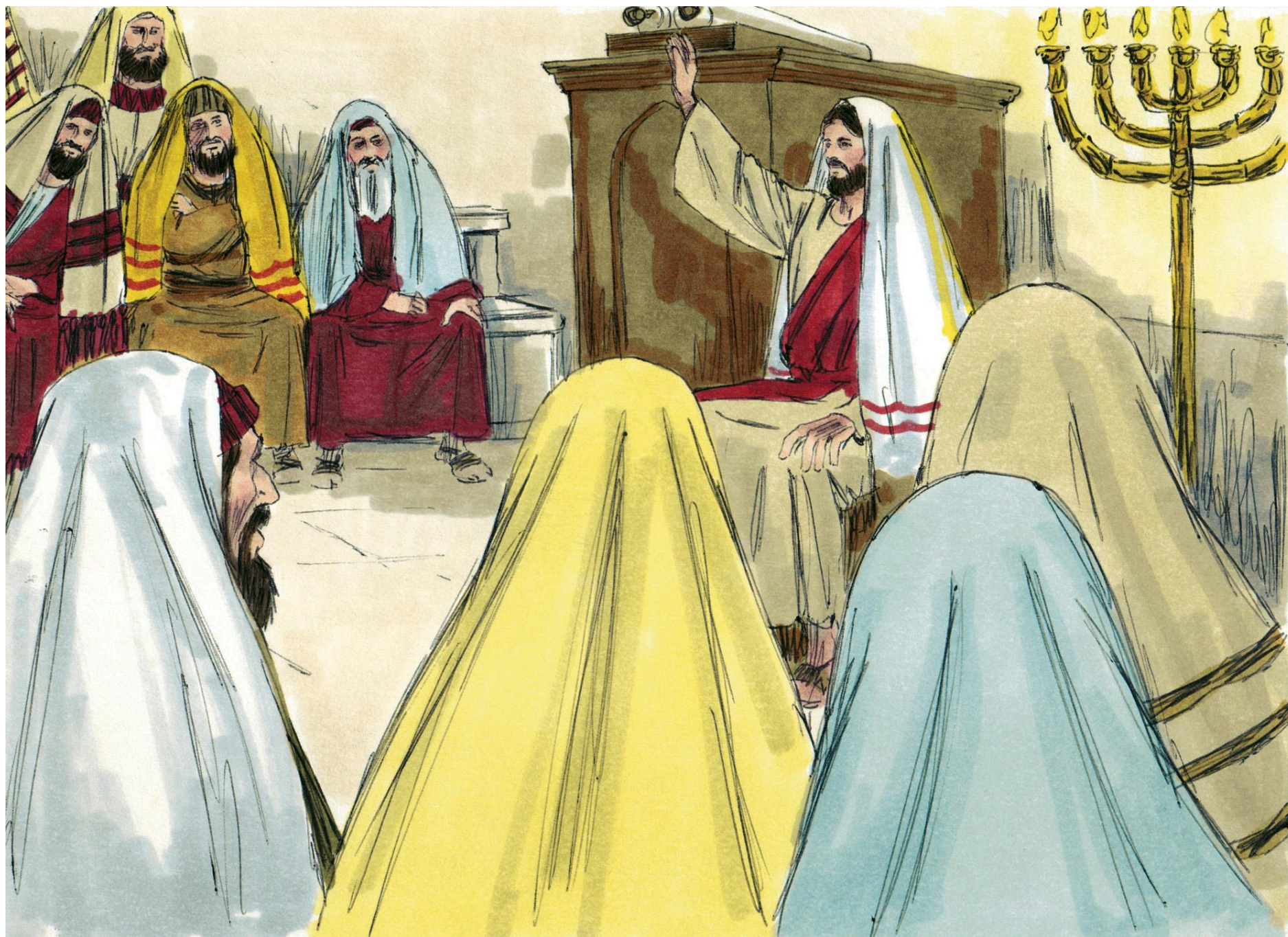
दुजै दूसै यीशु आपड़ी पौशै आन्दु बैरै देखौ, औज़ि
तिणी बोलौ, कि एऊ परमेश्वर रौ गाबडू जुण्जौ
दुनिया रौ पाप टिपियौ डै लौ, यीशु यऊना काई
बपतिस्मा नीन्दै रौ थौ आन्दै लागी। पर यऊना एशौ
बोलियौ यीशुइ रोकदै लागौ, “कि मूँ तेरै आथै कौइ
बपतिस्मा नीणे री ज़रूरत, तू मुँकाई आओन्दौ।”



तैबै यीशुइ बोलौ, “ईबी एशौइ ऊऽणै दै, केलाकि
आमु सारै दौरम पूरै कौरणै।” तैबै तिणी तेसरी बात
मानी, तैबै यीशु बपतिस्मा गीणियौ पाणी कौइ उबै
आओ, तेशौइ गौइणी कौइ बादल छाँटुवै। औज़ि
परमेश्वर री आत्मा कबुतर बाशी तेसमाई आई।
औज़ि एशी आकाशबाणी ऊई, “एऊ मेरौ पियारौ
बेटा, एसकौइ आऊँ बौरी खुश।”



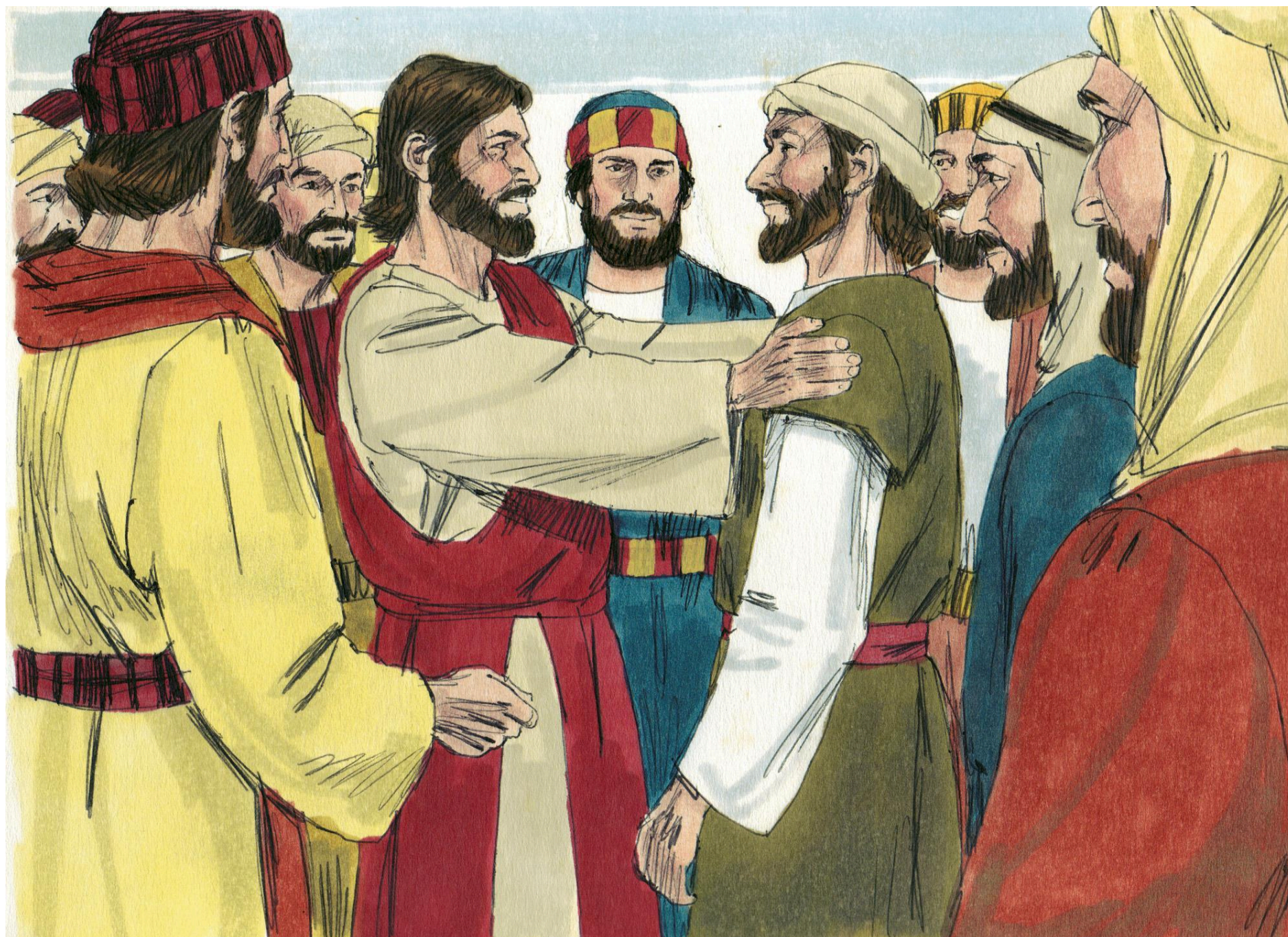
तेतबासियै आत्माईं सेउ ज़ांगळे दि गिणौ, औज़ि
तेत्कै चाळीश दूस ज़ौऊं शैतानेइ तेसरी परीक्षा
कौरदु रौइ। औज़ि यीशु परमेश्वर रै बचन कौइ तेस
औरान्दु रौ, तैबै शैतान यीशु कौइ आरियौ तेसकाई
कौइ पोरु डैअ। तैबै स्वर्गदूत आइयौ तेसरी सेवा
कौरदै लागै।



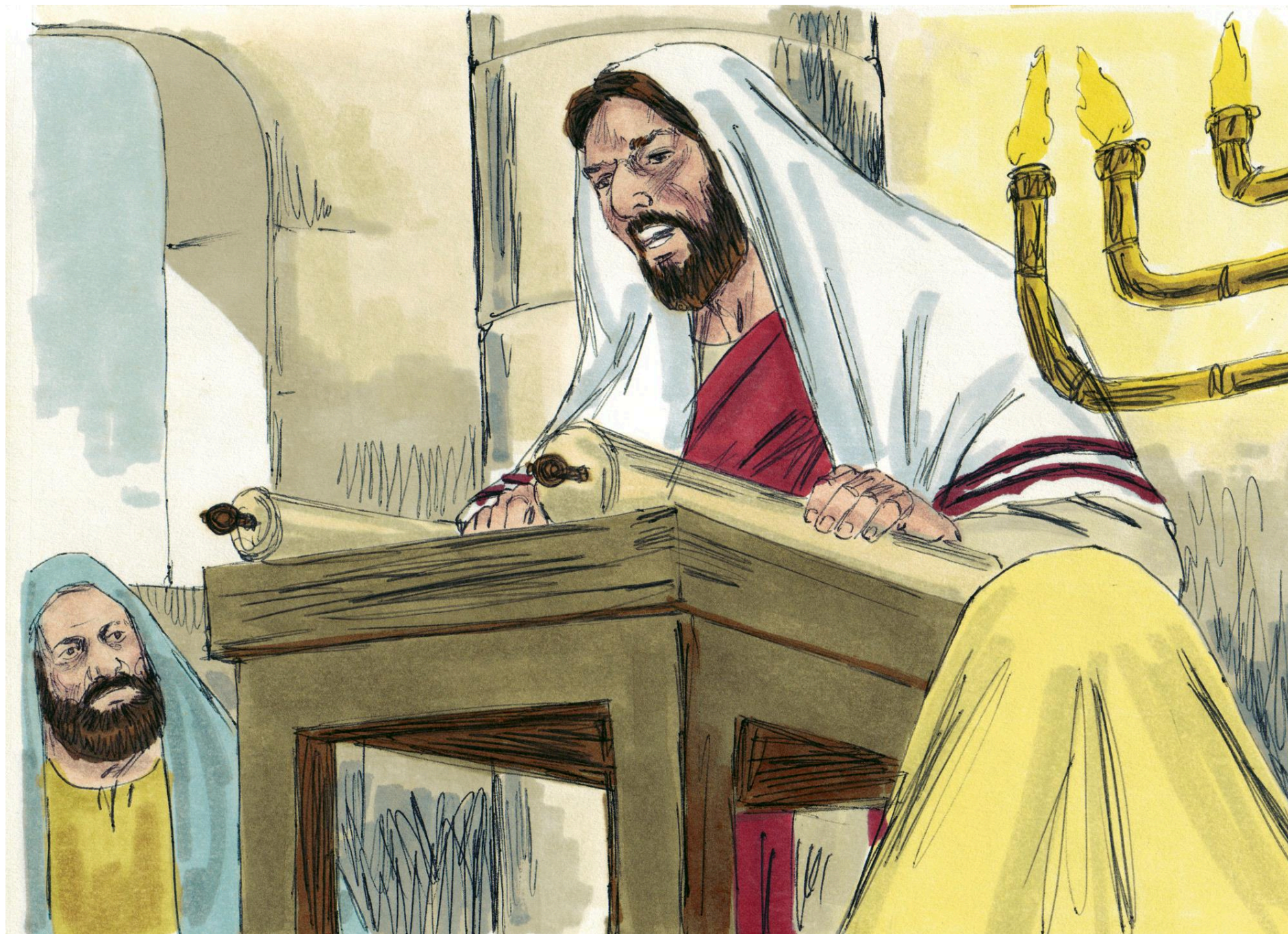
तेतबासियै यीशु ज़ांगळै कौइ वापस आओ, औज़ि
हर जागा दी यात्रा कौरियौ सारै लोगु कै एशौ
बौड़िया खबर शूणान्दै लागौ, आपड़ै पापुं कौइ
ज़ीऊ फिराओ केलाकि स्वर्ग रै राज़ नौज़िक। सेउ
लोगु कै शिक्षा दै थौ, औज़ि परमेश्वर रै बारे दी बी
शिका थौ।



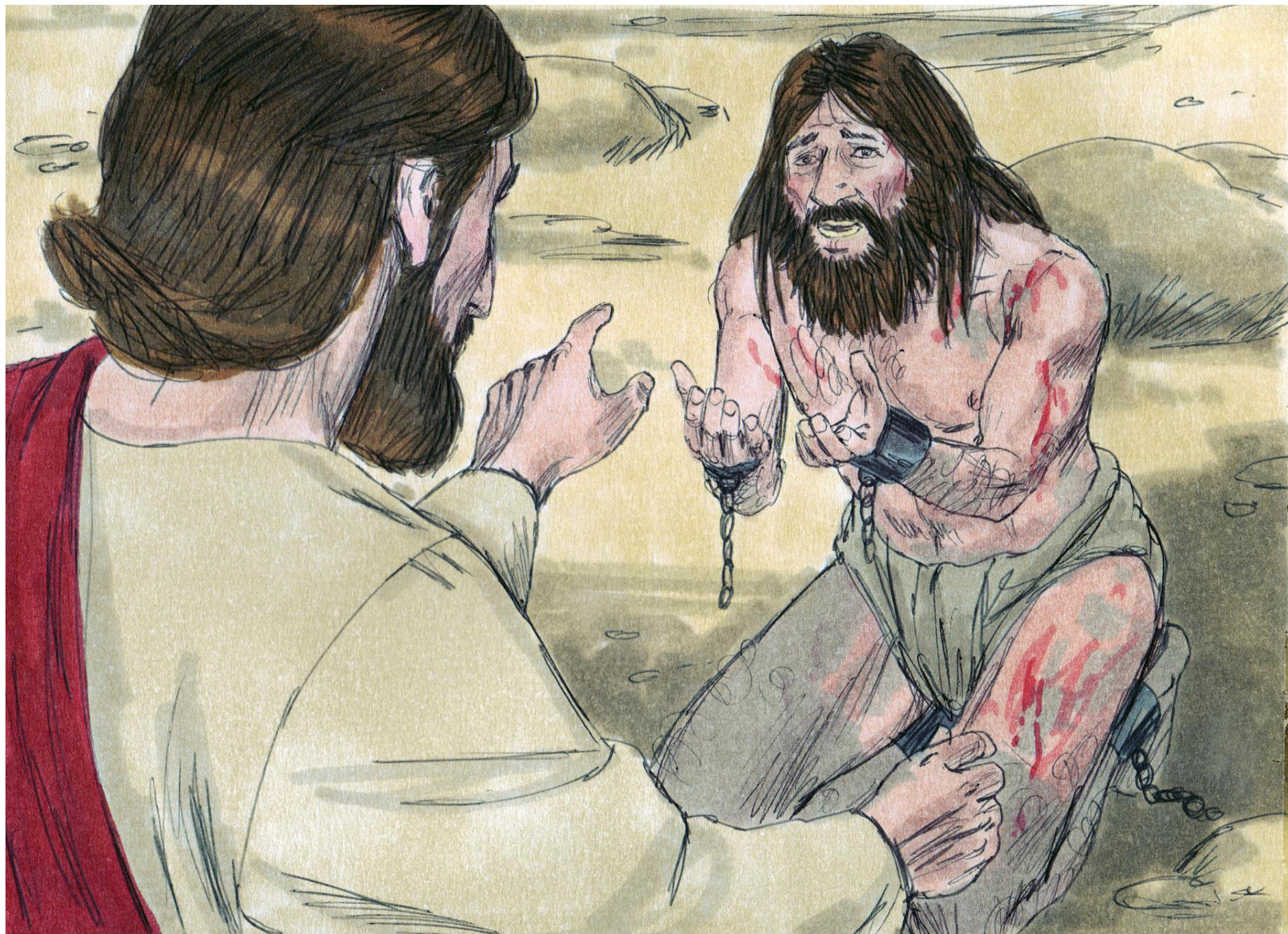
एक बैरै यीशु जील रै किनारे दी आओ। तेत्कै तिणी
पतरस औज़ि तेसरै बाई अन्द्रियास ज़ाळ पान्दु बैरै
देखौ, केलाकि सै मछियार थै, यीशुइ तिऊं आरी
बोलौ, कि मेरी पौछौणिकै आओ, आऊं तुमु माणछु
परमेश्वर काई आणनै वाळौ चाणू। तैबै तिऊं तेत्राइ
आपड़ौ ज़ाळ छोड़ौ, औज़ि यीशु मसी रै पौछौणिकै
डेन्दै लागै।



तैबै यीशुइ याकुब औज़ि यऊना देखौ, औज़ि सै बी
औटायै। तैबै सै बी आपड़ौ पापाइ औज़ि नाऊ
छोड़ियौ यीशु मसी रै साथै डै, तेतबासियै यीशुइ
अलग-अलग लोग छान्टियौ चेलै चाणै, सै बारा
ज़ौणै थै। तिऊँरौ नौऊँ 1 पतरस 2 अन्द्रियास; 3
याकूब, 4 यऊना 5 फिलिपुस, 6 बरतुल्मै, 7 थोमा
8 मत्ती, 9 याकूब, 10 तद्दै, 11 शमौन कनानी, 12
यऊदा इस्करियोती जिणी यीशु मसी पकड़ाअ।



तेतबासियै सै बारा लोग बी आपडै साथै गिणियो
परमेश्वर रौ बचन शुणान्दै लागौ। एक बैरै सै एक
शैर दी पौइंचै, जौ आरादना कौरने रौ दूस आओ,
तैबै सै एक साथी आरादना रौ गौरे दि प्राथना कौरदै
डै, यीशु तेत्कै उपदेश देन्दै लागौ। लोग यीशु रौ
उपदेश शुणियो हैरान उवै। केलाकि सेउ पुरौ
अदिकार रै साथै रौ थौ तिउँकै उपदेश देन्दै लागी।



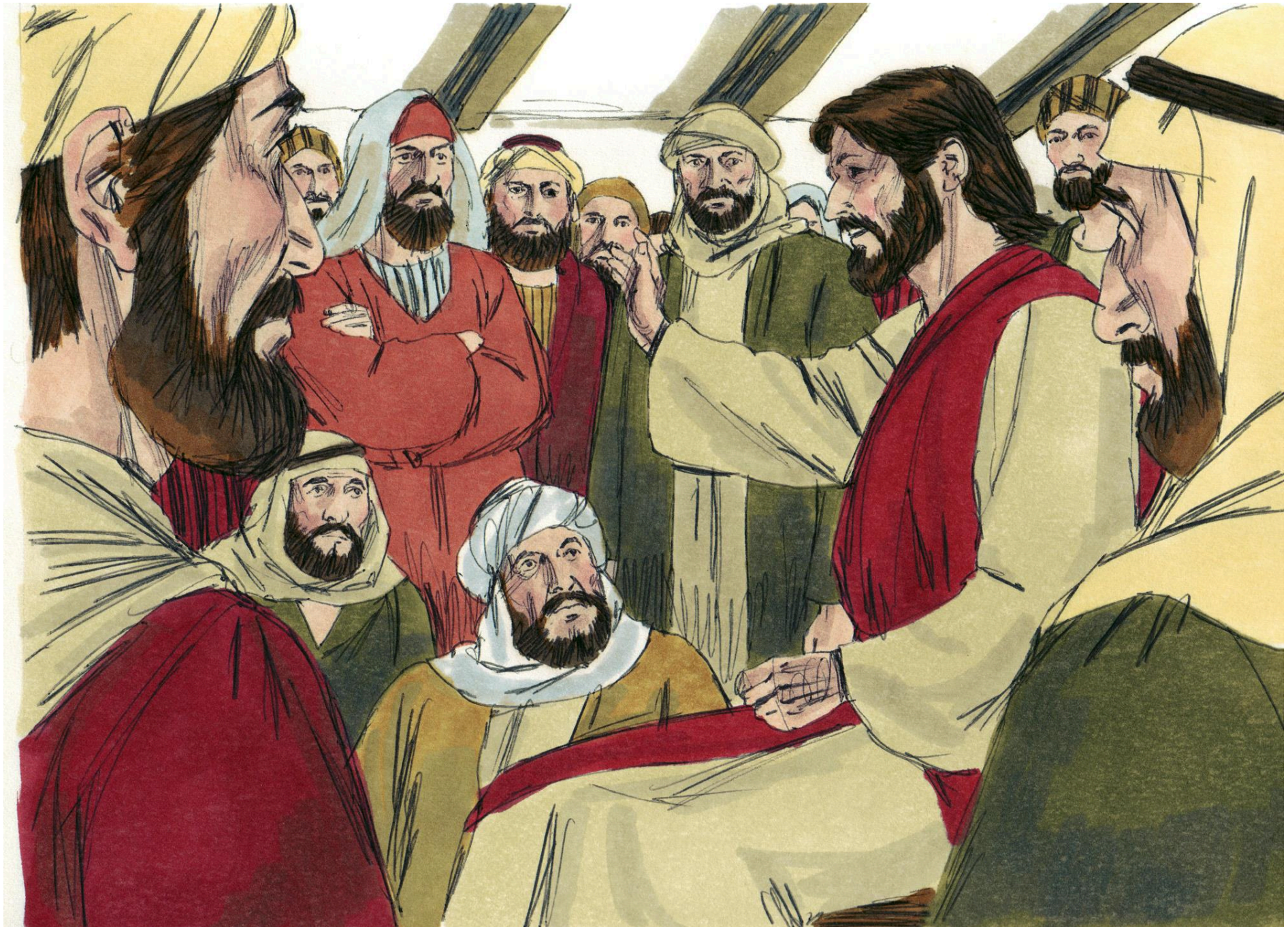
सेज़ौ बौक्ते दि तेत्कै एक माणछे दि दुष्टआत्मा थी,
सै लौलियाइयौ बोल्दि लागी, “ए यीशु, आमु
ताऊंकौइ का काम? का तू आमारौ नाश कौरदै रौ
आई।” आऊं ताऊं ज़ाणू कि तू परमेश्वर रौ पबित्र
ज़ौणौ। तैबै यीशुइ तीं दुष्टआत्मा आरी बोलौ कि
चुप रौऊ, औज़ि एसकौइ पोरु डेऊ, तैबै दुष्टआत्मा
तेसकौइ पोरु डेइ।



तैबै सारै लोग चकित उइयौ बोल्दै लागै, कि एऊ
का उवौ, ईणी दुष्टआत्मा कै आदेश देणौ, तै
दुष्टआत्मा तेसमाइं कौइ पोरु डेइ। तैबै यीशु री एज़ी
बुशै आस-पास री सारी ज़ागाऊं दि फैली गोइ।
तेतबासियै यीशु पतरस रै गौरै डैअ।



तेत्कै पतरस री शाशु दि बुखार थै आऔन्दै। तैबै
यीशुइ बुखार डांटौ, तै तिंरौ बुखार ठीक उवौ, तैबै
सै सेवा कौरदी लागी। औज़ि बियाळकै रै बौक्ते दि
लोगु अलग-अलग तरीके री बिमारी, औज़ि
दुष्टआत्मा कौइ दुखी उवौन्दै लोग यीशु काई आपै।



तैबै यीशुइ एक एकी माइं आथ थौइयौ सारै लोग
ठीक कियै, औज़ि दुष्टआत्मा बी गाड़ी। राती यीशु
तेतकौइ पोरु डैअ। तैबै बीड़ तेस रोक्किद लागी पर
यीशुइ तिउंवारी बोलौ कि मूँ परमेश्वर रौ राज्य री
बौड़िया खबर दुजै शैरुं दि बी शुणाणौ, एज़ी बौज़ै
कौइ आऊं छाड़ौन्दौ। एशेशौ यीशुइ आपड़ै अदबुत
कामुं कौइ आपड़ी सेवकाइ शुरु की।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.